



## भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर Indian Institute of Technology Bhubaneswar

### प्रेस विज्ञप्ति

#### आईआईटी भुवनेश्वर और सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

**भुवनेश्वर, 8 जनवरी 2025:** सहयोग, बौद्धिक सहयोग, विद्वानों के आदान-प्रदान और राष्ट्रीय साझेदारी के विकास के अवसरों का पता लगाने के उद्देश्य से, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर और सीएसआईआर-सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई), नई दिल्ली ने हस्ताक्षर किए हैं। 8 जनवरी 2025 को एक समझौता ज्ञापन। समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर दिनाकर पासला, डीन (प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श), आईआईटी भुवनेश्वर और प्रोफेसर मनोरंजन परिडा द्वारा हस्ताक्षर किए गए। परिडा, निदेशक, सीएसआईआर-सीआरआरआई। इस अवसर पर आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर उपस्थित थे।

एमओयू का उद्देश्य सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना, विचारों के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना, नए ज्ञान का विकास करना और उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान कौशल को बढ़ाना है। अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र जिन पर दोनों पक्ष संयुक्त रूप से काम करेंगे, वे हैं यातायात और परिवहन इंजीनियरिंग, फुटपाथ इंजीनियरिंग, सड़क सुरक्षा और अन्य संबद्ध सिविल इंजीनियरिंग क्षेत्र जैसे कि जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग और ब्रिज इंजीनियरिंग आदि। सहयोग के तरीकों में संकाय का आदान-प्रदान शामिल होगा और अनुसंधान और शिक्षण के प्रयोजनों के लिए छात्र; सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं, व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों और क्षमता निर्माण प्रयासों का विकास और कार्यान्वयन; और विद्वानों के प्रकाशनों, श्वेत पत्रों और मीडिया में निष्कर्षों का प्रसार।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रोफेसर करमलकर ने कहा: "सीएसआईआर-सीआरआरआई के साथ यह सहयोग क्षेत्र में सड़क निर्माण में अनुसंधान के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाएगा, जिससे परिवहन और कनेक्टिविटी के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में योगदान मिलेगा। आईआईटी भुवनेश्वर में स्कूल ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर अपने प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के माध्यम से सिविल इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा और अनुसंधान से संबंधित है। एक तकनीकी ज्ञान प्रदाता के रूप में आईआईटी भुवनेश्वर इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए इस सहयोग की प्रतीक्षा कर रहा है।"

सीएसआईआर-सीआरआरआई के निदेशक प्रोफेसर परिडा ने कहा, "भारत के दो प्रमुख संस्थानों के बीच यह समझौता ज्ञापन सड़कों और पुलों, यातायात और परिवहन, भूमि सुधार और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, ग्रामीण सड़कों, फुटपाथ के क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास गतिविधियों में परिवर्तन लाएगा।" डिजाइन, फुटपाथ प्रदर्शन और इसका मूल्यांकन, उपकरण, पर्यावरण और सड़क सुरक्षा। हमें उम्मीद है कि यह सहयोग भविष्य में ओडिशा को इस क्षेत्र में एक बेंचमार्क बनाने में भी मदद करेगा।

इस अवसर पर अन्य लोगों में, प्रोफेसर सुमंत हलदर, हेड-स्कूल ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर, आईआईटी भुवनेश्वर; डॉ. प्रदीप कुमार, मुख्य वैज्ञानिक, प्रमुख (फुटपाथ मूल्यांकन प्रभाग), सीएसआईआर-सीआरआरआई; आईआईटी भुवनेश्वर के संकाय सदस्य डॉ. उमेश चंद्र साहू और डॉ. अनुष के. चंद्रप्पा उपस्थित थे।

-----